Gyansindhu Coaching Classes

Join – Whatsapp Channel By Link

Subscribe for Live Class

कक्षा 12– [हिंदी]

पद्यांश पहचानने की अचूक ट्रिक

सामान्य + साहित्यिक हिंदी

प्रेम माधुरी (भारतेन्दु हरिश्चंद)

- सवैया छंद होगा
- 'हरिचन्द' शब्द अवश्य लिखा होगा।

यमुना छवि

- तरनि तनूजा... जमुना,कालिंदी, कलहंस, चंद निसिपति, राका- निशि आदि का वर्णन होगा।
- मनु, मानहु, जनु, जानहु, कै, आदि उत्प्रेक्षा अलंकार के पहचान वाले शब्द प्रयुक्त होंगे।

उद्धव प्रसंग- जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

- उद्धव प्रसंग में उद्धव/ ऊधौ / रत्नाकर- शब्द जरूर होगा।

गंगावतरण-

- रोला छंद होगा।
- कमण्डल, धार वेग, सगर,धावा, स्वाति घटा, मोतिन की झालर, हरहराति सम्भु, चकित भई, हर रूप मनोहर, गंगा, जटाजूट आदि शब्द होंगे।

पवन दूतिका- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध

- खिन्ना,
- श्याम, श्यामता, जलद तन, कंज से नेत्रवाले, कम्बु सा कण्ठ,कमल पग, मेघ सी कांति वाले।
- कुंजे, वृन्दाविपिन,क्लान्त,क्लांतिया, लज्जाशीला, पथिक महिला, कमल मुख, कृषक ललना भूतांगना।
- मथुरा या मथुरा धाम, ब्रज, विरह विधुरा, उपवन , वाटिका।
- नीप का पुष्प, मलिन लतिका, पीला होना, प्यारे के पाव की धूलि।

Gyansindhu Coaching Classes
Join – Whatsapp Channel By Link
Subscribe for Live Class

कैकेई का अनुताप- मैथिलीशरण गुप्त

- उटज , सभा
- भरतभद्र, केकई , मैया , अबलाजन, आर्य, जननी।
- मंथरा, त्रैलोक्य, वात्सल्य, माता कुमाता,
- प्रभु, राम, दशरथ, रघुकुल, हा! लाल,
- कुलिस कठोर कलेजा, दुगने प्यारे , भ्राताओं का प्रेम, पंकिला, ज्ञानीजन, बेटा।।

गीत

- शिशिर , खंजन, यही आता है मन में , मुझे फूल मत मारो ।।

श्रद्धा मनु - जयशंकर प्रसाद

- कौन हो तुम? मनु या श्रद्धा, प्रथम कवि का छंद, झटका लगा|
- कुतूहल , इंद्रजाल, मधु पवन, गांधार देश , नील परिधान, घनश्याम, नील घन शावक|
- कोकिल ,चपला, पतझड़, ललित कला, हिमगिरी, शैलमाला , बलि का अन्न, उच्छवास, आगंतुक, अवसाद, प्रकृति के यौवन, तपस्वी, यजन करते, संस्कृति, शक्तिशाली| ,शक्ति के विद्युत्कण,
- अमृत संतान , विधाता ज्वालामुखियां, मानवता, द्वीप, कच्छप|

बादल राग – निराला

- गरज -गरज , राग अमर, अम्बर,
- भैरव संसार , गर्जन , बादल हलचल आदि शब्द प्रयुक्त होंगे|

नौका विहार – पन्त

- तापस बाला गंगा,
- लहर , सीपी, सिकता सैकत (बालू)
- नौका, हिलोर, पाल , जल, कालाकांकर का राजभवन|
- तारक दल, शुक्र, घूँघट|
- चपला बीच धार, दो बाहें, क्षितिज|
- शिशु द्वीप, रश्मियाँ, शशि , उडु, प्रवाह|
- धारा सा ही जग का क्रम|

Gyansindhu Coaching Classes
Join – Whatsapp Channel By Link
Subscribe for Live Class

बापू के प्रति

- मांसहीन अस्थिहीन,
- सत्य खोज, मानवता का सरोज , पशुबल , विश्वनुरक्त अनासक्त , चरखे, खद्दर।
- साम्राज्यवाद कंस , कारागृह, कारा, सत्य राम |

Gyansindhu Coaching Classes
Join – Whatsapp Channel By Link
Subscribe for Live Class

गीत – 1, 2, 3 (महदेवी वर्मा)

1. बाना , जाना, आना , जाना , बनाना , बसाना बिछाना|
2. अकेला , खेला , बेला , मेला, दुकेला
3. बदली , मचली , पाली, निकली, खिली , चली|

अभिनव मनुष्य – दिनकर

- नर, मानव, पुरुष, मानवों, मनुज, नर प्रज्ञा,
- धरा, ब्रह्मांड , व्योम पाताल, ज्ञान विज्ञान ,
- भीष्म युधिष्ठिर, विचित्र दुनिया , धरित्री, प्रकृति ,
- भूमिमंडल, पोथी , इतिहास , शिखा, उद्दाम,
- विज्ञान तलवार.

मैंने आहुति बनाकर देखा- अज्ञेय

- मैं कब कहता हूँ – बार बार आया है|
- जनपद की धूल, मेरा जीवन ललकार बने , प्यार बने|

हिरोशिमा

धूप बरसी , सूरज , सूर्य ,दसो दिशा, छायाएं मानव की ,जली हुई छाया |

ज्ञानसिन्धु कोचिंग क्लासेज
अनुशासनेन विद्या
अभ्यासेन विद्या
ज्ञानात्
मुक्तिः
||ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम्||